सप्तदिवसीय शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक

वार्षिक योजना बैठक के प्रथम दिन उपस्थित प्राचार्य एवं शिक्षक

उद्घाटन समारोह: 01 से 07 जुलाई 2021 तक महाविद्यालय की परम्परा के अनुसार प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी सप्तदिवसीय शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक का आयोजन कोविड-19 प्रोटोकॉल का पूर्णत: पालन करते हुए महाविद्यालय के जगत जननी माँ सीता सभागार में सम्पन्न किया गया। कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव द्वारा किया गया। बैठक में प्राचार्य ने कार्यशाला की प्रस्तावित तथा सम्पूर्ण कार्ययोजना प्रस्तुत की।

कार्यशाला के प्रथम दिन कोविड-19 की बदली हुई परिस्थिति में अध्ययन-अध्यापन हेतु तकनीकी कौशल विकसित करने हेतु सुझाव प्रस्तुत किये गये। इस विषय पर डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. सुबोध कुमार मिश्र तथा श्री अभिषेक वर्मा सहित अन्य शिक्षकों ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। तदनन्तर परिचर्चा के साथ कार्यशाला का प्रथम दिन सम्पन्न हुआ।

योजना बैठक में विचार व्यक्त करती श्रीमती शिप्रा सिंह

दूसरा दिन - 02 जुलाई को शिक्षक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक के दूसरे दिन प्रथम सत्र में प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में शैक्षिक पंचांग, दायित्व सह कार्य विभाजन, प्रवेश, परीक्षा, परिसर अनुशासन आदि विषय पर तथा द्वितीय सत्र में पुस्तकालय, स्वच्छता, प्रयोगशाला आदि विषय पर चर्चा की गई जिसमें डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. आर.एन. सिंह, श्री रमाकान्त दूबे, श्री विनय कुमार सिंह, डॉ. शिवकुमार वर्नवाल, श्रीमती शिप्रा सिंह सहित अन्य शिक्षकों ने अपनी बात रखी। शिक्षकों द्वारा दिए गए महत्वपूर्ण सुझाव के साथ सत्र सम्पन्न हुआ।

योजना बैठक में अपनी बात रखते डॉ. राम सहाय

तीसरा दिन - 03 जुलाई को बैठक के तीसरे दिन प्रथम सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना, पठन पाठन, नैक तथा द्वितीय सत्र में वेबसाइट विषय पर डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, श्री अभिषेक वर्मा,

डॉ. रामसहाय, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव तथा डॉ. आरती सिंह सहित अन्य शिक्षकों ने विचार प्रस्तुत किया।

चौथा दिन - 04 जुलाई को कार्यशाला एवं बैठक के चौथे दिन प्रथम सत्र में उन्नत भारत अभियान, गोद लिए गाँव, गोद लिए गये विद्यार्थी तथा द्वितीय सत्र में पाठ्यक्रम योजना, प्रार्थना सभा तथा क्रीड़ा विषय पर चर्चा की गई। इस सत्र में श्रीमती कविता मन्ध्यान, डॉ. शालू श्रीवास्तव, डॉ. नीलम गुप्ता, श्रीमती पुष्पा निषाद, सुश्री दीप्ति गुप्ता, श्रीमती शिप्रा सिंह तथा डॉ. आरती सिंह सहित अन्य शिक्षकों ने अपने विचार साझा किये।

योजना बैठक में अपनी बात रखती श्रीमती पुष्पा निषाद

पाँचवा दिन - 05 जुलाई को बैठक के पाँचवे दिन प्रथम सत्र में विभागीय कार्ययोजना, छात्र-संघ एवं द्वितीय सत्र में ध्येय पथ ई-पत्रिका, नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण, नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण आदि विषय पर सुश्री शारदा रानी, सुश्री स्मिता दूबे, श्री सिद्धार्थ शुक्ल, डॉ. रामसहाय डॉ. नेहा कौशिक, डॉ. सान्त्वना श्रीवास्तव सहित अन्य शिक्षकों ने भी अपनी-अपनी बात रखी।

योजना बैठक में अपना मत व्यक्त करती सुश्री शारदा रानी

छठवाँ दिन - 06 जुलाई को बैठक के छठवें दिन प्रथम सत्र में रोवर-रेंजर्स, प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम, बागवानी तथा द्वितीय सत्र में शोध-पत्रिका प्रकाशन, छात्र समिति, ई.पी.एफ. विषय पर डॉ. सुबोध कुमार मिश्र, डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय, श्री हरिकेश यादव, श्रीमती विभा सिंह, श्रीमती साधना सिंह तथा श्रीमती शिप्रा सिंह ने अपने विचार रखे।

योजना बैठक में चर्चा-परिचर्चा करते प्राचार्य व शिक्षक

सप्त दिवसीय शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक का समारोप कार्यक्रम

07 जुलाई 2021 को कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक के सातवें दिन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में प्रथम सत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा महत्वपूर्ण आयोजनों जैसे- महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यानमाला, साप्ताहिक पुण्यतिथि समारोह, युवा महोत्सव, भारत-भारती पखवारा, समावर्तन संस्कार इत्यादि को बदली हुई परिस्थिति में कैसे कराया जाय, इस विषय पर विचार विमर्श

किया गया, इस विषय पर सुश्री दीप्ति गुप्ता, डॉ. अरूण राव, डॉ. शैलेन्द्र ठाकुर, श्री चन्दन ठाकुर, डॉ. सुधा शुक्ला, श्रीकान्त मणि त्रिपाठी तथा डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने अपने विचार रखे। द्वितीय सत्र में समारोप कार्यक्रम के अवसर पर सात दिनों तक चली शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक में सम्पूर्ण विषयों की कार्य योजना से सम्बन्धित लिए गये निर्णयों को प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने प्रस्तुत किया। सात दिनों के गहन विचार-विमर्श और अनेक सुझावों के आलोक में सत्र 2021-2022 के लिए महाविद्यालय की वार्षिक योजना एवं शैक्षिक पंचांग को निर्मित किया गया।

योजना बैठक के समापन अवसर पर उपस्थित समस्त शिक्षक एवं प्राचार्य